



CHANDRA DARSHAN || अमावस्या के बाद कब होंगे चंद्र दर्शन ||

Chandra Darshan

पंचांग के अनुसार, इस दिन शाम 06 बजकर 40 मिनट पर चंद्रोदय होगा और शाम 07 बजकर 29 मिनट पर चंद्रास्त होगा। ऐसे में इस दौरान चंद्र दर्शन किए जा सकेंगे।

सनातन परंपरा में चंद्रमा को आत्मा का कारक माना गया है। इसके आशीर्वाद से व्यक्ति मानसिक रूप से मजबूत बनता है और आसानी से महत्वपूर्ण फैसले ले पाता है, वहीं जब कोई व्यक्ति कमजोर होता है तो उसका मन लगातार बेचैन रहता है और वह छोटी-छोटी बातों को लेकर चिंतित रहता है। जिन लोगों की कुंडली में चंद्र दोष परेशानी का कारण बन रहा है या जो लोग चंद्र देव से सौभाग्य और सौभाग्य का आशीर्वाद पाना चाहते हैं उन्हें अमावस्या के बाद चंद्रमा का विशेष पूजन और दर्शन करना चाहिए।

चंद्र दर्शन का धार्मिक महत्व

हिंदू धर्म में अमावस्या के अनुसार चंद्रमा का अवलोकन करने का बड़ा धार्मिक महत्व है। ऐसा माना जाता है कि चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) के दिन विधि-विधान से चंद्र देव की पूजा और मंत्रों का जाप करने से साधक को विशेष पुण्य फल की प्राप्ति होती है। इसलिए, देश के विभिन्न हिस्सों में चंद्र दर्शन को बहुत सम्मान और भक्ति के साथ मनाया जाता है। ऐसे में सुख-सौभाग्य की प्राप्ति के लिए इन तारीखों पर चंद्र देवता का दर्शन एवं पूजन जरूर करें।

ऐसे करें चंद्र देव की पूजा

वर्ष के 12 पूर्ण महीनों में से प्रत्येक का अपना अर्थ है। पूर्णिमा के दिन चंद्र देव की पूजा करने का रिवाज है। धर्मग्रंथों के अनुसार पूर्णिमा की रात को चंद्रोदय के बाद जल और दूध का लोटा अर्घ्य देना शुभ माना जाता है। इससे चंद्रमा की दिव्य कृपा बनी रहती है।

पूर्णिमा के दिन चंद्र देव के दर्शन करने और "ओम सोम सोमाय नमः" मंत्र का 108 बार जाप करने से आपके

जीवन में बड़ी सफलता मिलेगी। पूर्णिमा पर चंद्रमा के उदय होने के बाद, कच्चे दूध में सब्जियां और चावल मिलाकर चंद्र देव को अर्पित किया जाता है। इससे चंद्र देव प्रसन्न होते हैं और स्वास्थ्य लाभ होता है। ऐसे में पूर्णिमा के दिन चंद्र देव की पूजा करना बहुत जरूरी होता है।

चंद्र देव को प्रसन्न करने के मंत्र

चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) का पूजा मंत्र
क्षीरपुत्राय विद्महे अमृत तत्वाय धीमहि, तन्नो चन्द्रः प्रचोदयात

बीज मंत्र

ॐ श्रां श्रीं श्रौं सः चंद्राय नमः

सुख-शांति और समृद्धि के लिए चंद्र दर्शन

हिंदू धर्म में चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) का बहुत महत्व है। पौराणिक कथा के अनुसार इस दिन का धार्मिक महत्व है। इस खास दिन पर पूरी श्रद्धा के साथ भगवान चंद्रमा की पूजा की जाती है। हिंदू धर्म के अनुसार इस खास दिन पर चंद्रमा के दर्शन करना बहुत फलदायी होता है। साथ ही इसे सौभाग्य और समृद्धि का संकेत भी माना जाता है। चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) को हिंदू धर्म में भगवान चंद्रमा माना जाता है। माना जाता है कि चंद्रमा की पूजा करने से घर में सौभाग्य, शांति और समृद्धि आती है और अन्य देवता भी प्रसन्न होते हैं। भगवान चंद्रमा की पूजा करने से घर में सफलता और खुशियां आती हैं।

चंद्र दर्शन से संबंधित विशेष अनुष्ठान

महिलाएं विशेष रूप से इस दिन व्रत रखती हैं ताकि वे अपने जीवनसाथी और बच्चों की लंबी उम्र के लिए ईश्वर से आशीर्वाद प्राप्त कर सकें।

इस विशेष दिन पर, हिंदू चंद्र देवता की भक्तिपूर्वक पूजा की जाती है और उनका आशीर्वाद मांगा जाता है। इस दिन भक्त भगवान चंद्रदेव को प्रसन्न करने के लिए पूरे मन से पूजा-अर्चना करते हैं।

उपवास के दौरान, भक्त कोई खाना नहीं खाते हैं। व्रत तभी समाप्त होता है जब चंद्रमा दिखाई देता है और भक्तिपूर्वक प्रार्थना की जाती है।

चंद्रमा की पूजा बहुत शुभ होती है और कहा जाता है कि यह आपके घर में सौभाग्य और समृद्धि लाती है। इस खास दिन पर दान करना बहुत शुभ माना जाता है। इसके अलावा ब्राह्मणों को चीनी, चावल और कपड़े का दान करना और भी अच्छा होता है।

स्वास्थ्य के लिये भी लाभदायक

चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) का न केवल धार्मिक महत्व है बल्कि शरीर को स्वस्थ रखने में भी मदद मिलती है। कहा जाता है कि इस दिन व्रत करने से मनुष्य के शरीर में कफ, पित्त और वात तत्वों का अच्छा संतुलन बनता है, जिससे कोई बीमारी नहीं होती है। इसका मतलब यह है कि चंद्र दर्शन स्वास्थ्य की दृष्टि से भी बहुत लाभकारी है।

हिंदू धर्म में चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) का बहुत महत्व है क्योंकि चंद्रमा को देवता के रूप में देखा जाता

है। चंद्र दर्शन (Chandra Darshan) का अर्थ है "चंद्रमा को देखना"। भारत में इसे बहुत सम्मान और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। इसे चंद्र दर्शन इसलिए कहा जाता है क्योंकि इसे अमावस्या के बाद देखा जा सकता है।

Read More religious content on

vedicprayers.com